नवभारत

'नवभारत मार्गदर्शक स्कूल समिट 2022' में शिक्षा के दिग्गजों ने रखे विचार

स्टूडेंट्स के लिए गेमचेंजर रहेगी नीति

■ भारत को 'सोने की चिड़िया' बनाने में देगी योगदान ■ विदर्भ से प्रमुख स्कूलों के प्राचार्य हुए शामिल

■ नागपुर, व्यापार संवाददाता. 'किसी भी देश व समाज का आधार शिक्षा है. उत्कृष्ट शिक्षा की बदौलत ही देश व समाज शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है. एक देश स्वच्छ, समर्थ और आत्मनिर्भर शिक्षा से ही बेहतर बन सकता है. इसी को देखते हुए नई शिक्षा नीति लाई गई है जिसमें ऐसे-ऐसे चरण हैं जो कि बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाते हैं. बच्चा 12वीं में पहुंचते-पहुंचते अपने पांव पर खड़ा हो सकता है. यह शिक्षा मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया के लिए बहुत ही मत्वपूर्ण है. शिक्षा ही ज्ञान और विज्ञान को बढ़ा सकती है. आयुर्वेद, सुश्रुत स्वास्थ्य, चरक और ज्योतिष को पूरा विश्व मानता है. यह भी सभी ज्ञान हमारे देश से ही निकले हैं. इन खूबियों और नई शिक्षा नीति से हमारा देश और अधिक समृद्ध बन सकता है. निश्चित रूप से यह गेमचेंजर बनेगी और देश को सोने की चिड़िया बनाने की दिशा में कदम आगे बढ़ाएगी.' यह विचार पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल (निशंक) ने व्यक्त किये. वे कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े और आईआईएम नागपुर में आयोजित 'नवभारत मार्गदर्शक स्कूल समिट 2022' की सराहना करते हुए कहा कि यह समिट विदर्भ के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है. इसके माध्यम से विदर्भ में नई शिक्षा नीति को लेकर जागरूकता आएगी.

प्रिंसिपलों का किया मार्गदर्शन : वक्ताओं में सेवानिवृत्त ले. जनरल आर.आर. निभोंरकर, आईआईएमएन के निदेशक भिमराया मैत्री, एसईएएमएस के डीन प्रो. भारद्वाज शिवकुमारन, आप विधायक आतिशी सिंह, माउंट लिटेरा जी स्कूल के नेशनल हेड गौतम लचिरामका, अभिनेत्री, निर्माता, एनवायरमेंटलिस्ट व स्पर्श गंगा की को-फाउंडर आरुषि निशंक, एमआईटीएडीटी यूनिवर्सिटी पुणे के डीन डॉ. राहुल मोरे, एस्ट्यूट करियर काउंसिलिंग एकेडमी के चेयरमैन व प्रबंधक निदेशक डॉ. तुषार विनोद देवरस, आरटीएम विवि के वीसी डॉ. सुभाष चौधरी, माफसु के वीसी डॉ. आशीष पातुरकर, इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पी. शिवस्वरूप व टेक्निकल एजुकेशन रीजनल ऑफिस के ज्वॉइंट डायरेक्ट डॉ. मनोज डायगव्हाने ने भी नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे. कार्यक्रम में पूरे विदर्भ से प्रमुख स्कूलों के प्राचार्य शामिल हुए.

सीखने वाला कंटेट महत्वपूर्ण

विद्यार्थियों को केवल एक ही पद्धति से नहीं बल्कि वोकेशनल शिक्षा देने की आवश्यकता है. विद्यार्थियों को सिखाया जाने वाला कंटेट महत्वपूर्ण होना चाहिए. शिक्षा में कंटेंट न हो तो वह किसी काम की नहीं.

- आर. आर. निंभोरकर

क्रिएशन पर फोकस

नई शिक्षा नीति में क्रिएशन पर फोकस किया गया है. यह शिक्षा क्षेत्र के लिए प्रभावशाली अवसर के रूप में है. इसके माध्यम से हम शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरु बन सकते हैं. इस पॉलिसी में शिक्षक का रोल पूर्णतया बदला है.

- डॉ. राहुल मोरे

भविष्य का शिक्षण है ऑनलाइन

नई शिक्षा नीति पर अनेक के मन में कई तरह की शंकाएं हैं परंतु सही अर्थों में नई शिक्षा नीति छात्रों को केंद्रित करने के साथ कौशलता को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है. अभी ऑनलाइन का जमाना है. ऑनलाइन भविष्य का शिक्षण है.

- पी. शिवस्वरूप

आत्मनिर्भर भारत के लिए नया कदम

पीएम मोदी के नेतृत्व में पिता रमेश पोखरियाल निशंक ने नई शिक्षा नीति तैयार की है. इस प्रक्रिया को तैयार होते हुए मैंने पास से देखा है. नई शिक्षा नीति शिक्षा में बदलाव आयेगा. आत्मनिर्भर भारत के लिए यह नया कदम है.

- आरुषि निशंक

'गोल्डन डॉक्यूमेंट'

शिक्षा विद्यार्थियों को व्यापक दृष्टिकोण देने वाली होनी चाहिए. शिक्षा की त्रुटियों को दूर करने के लिए समृद्ध शिक्षा की आवश्यकता है. यह विचार नई शिक्षा नीति में किया गया है. इसलिए नई शिक्षा नीति 'गोल्डन डॉक्यूमेंट' है.

- भिमराया मैत्री

स्टूडेंट्स का माइंड सेट बदलना सीखें

एक शिक्षक स्टूडेंट्स के साथ अपनी जिंदगी के 14 साल बिताता है. इन 14 वर्षों में हम बच्चों को क्या पढ़ाते हैं कि पूरी तरह से सक्षम हो जायें. शिक्षक को इसी पर विचार करना चाहिए. शिक्षा के जरिये ही बच्चों का माइंड सेट बदलना होगा.

- आतिशी सिंह

शिक्षकों पर बड़ी जिम्मेदारी

नई शिक्षा नीति में शिक्षकों पर बड़ी जिम्मेदारी है. छात्रों के गुण व कौशल पहचानकर उन्हें उसी तरह की शिक्षा देनी होगी. विद्यार्थियों के आधार को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा.

- तुषार देवरस

आह्वान स्वीकारने वाले हों विद्यार्थी

विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा देना जरूरी है. इससे से ही वे सामाजिक जवाबदारी वाले नागरिक बन सकेंगे. विद्यार्थियों को यह बताना बहुत आवश्यक है. आज आह्वान को स्वीकारने वाले विद्यार्थी होना चाहिए.

डॉ. आशिष पातुरकर

संपूर्ण शिक्षा से ही सफलता

किसी भी देश व समाज को आगे बढ़ना है तो उसे विद्यार्थियों को संपूर्ण शिक्षा देनी होगी. नई शिक्षा पॉलिसी में 110 प्वॉइंट्स हैं जिसमें से 83 प्वॉइंट्स में हॉलिस्टिक एजुकेशन की बात की गई है. हॉलिस्टिक एजुकेशन में स्किल, नॉलेज और वैल्यू की बात की जाती है.

- गौतम लचिरामका

नये विचार को करें आत्मसात

आज विश्व में पहले 100 विद्यापीठों में भारत का एक भी विद्यापीठ नहीं है. कम्पनियों की सूची में भारतीय कम्पनियों का समावेश है. इसके पीछे क्या कारण है, इसका विचार करना चाहिए. इसके लिए नये विचारों और कौशल को आत्मसात करना होगा.

- भारद्वाज शिवकुमारन

मूल्य आधारित शिक्षा जरूरी

शिक्षा पद्धति में कुछ समस्याएं हैं. इंजीनियरिंग की पढ़ाई थैरोटिकल नहीं हो सकती लेकिन हमारे यहां यह शिक्षा थैरोटिकल है. इसमें बदलाव समय की जरूरत है. शहर व ग्रामीण के गैप को भी पटाना बहुत आवश्यक है. इसके लिए मूल्याधारित शिक्षा की जरूरत है.

डॉ. मनोज डायगव्हाने

Nagpur Edition
01-july-2022 Page No.
epaper.enavabharat.com